Dr. Kumari Priyanka

Department of history

H.D jain college ara

Notes for ug semester 2

Topic:- प्राचीन मिस्र के लोगों के धार्मिक जीवन पर प्रकाश डालें

प्राचीन मिस्र के लोगों का धार्मिक जीवन अत्यंत जटिल और विविधतापूर्ण था। उनका धर्म न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन, बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक व्यवस्था का भी मूल आधार था। उनके धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं को निम्नलिखित बिंदुओं में समझा जा सकता है:

1. अनेक देवताओं की पूजा (पॉलीथीज़्म)

मिस्रवासियों ने अनेक देवताओं की पूजा की, जिनमें से प्रत्येक किसी न किसी प्राकृतिक या लौकिक शक्ति से जुड़ा था। प्रमुख देवताओं में शामिल थे:

रा (Re/Amun-Ra): सूर्य देवता, जिन्हें सृष्टिकर्ता माना जाता था।

ओसाइरिस (Osiris): मृत्यु, पुनर्जन्म और नाइल की उर्वरता के देवता।

आइसिस (Isis): मातृत्व, जादू और चिकित्सा की देवी।

सेत (Seth): अराजकता और तूफानों के देवता।

होरस (Horus): राजाओं और आकाश के देवता।

2. मृत्यु और पुनर्जन्म में विश्वास

मिस्रवासियों का दृढ़ विश्वास था कि मृत्यु के बाद आत्मा (का और बा) जीवित रहती है। पुनर्जन्म सुनिश्चित करने के लिए शवों का ममीकरण किया जाता था और मृतकों को उनके सामान और अनुष्ठानों के साथ दफनाया जाता था।

3. फराओ का दैवीय स्थान

मिस्र के राजा (फराओ) को देवता माना जाता था, विशेष रूप से होरस और रा का अवतार। वह न केवल राज्य का शासक था बल्कि धार्मिक अनुष्ठानों का प्रमुख भी था।

4. विशाल मंदिर और अनुष्ठान

मिस्र में भव्य मंदिर बनाए गए, जैसे कि कर्णक, लक्सर और अबू सिंबेल। मंदिरों में नियमित पूजा, बलिदान और धार्मिक उत्सव आयोजित किए जाते थे।

5. जीवन और नैतिकता

मिस्रवासियों का मानना था कि जीवन में "मा'अत" (संतुलन और न्याय) बनाए रखना आवश्यक है। मरने के बाद, आत्मा का न्याय होता था, जहां ओसाइरिस के समक्ष "हृदय तुला परीक्षण" (Weighing of the Heart) होता था। यदि व्यक्ति का हृदय पंख से हल्का होता, तो उसे स्वर्ग (फील्ड ऑफ़ रीड्स) में स्थान मिलता, अन्यथा दानव अमिट उसे खा जाता।

6. धार्मिक ग्रंथ

"डेड सी स्क्रॉल्स" (मृतकों की पुस्तक) आत्मा के परलोक यात्रा के मार्गदर्शन हेतु होती थी।

पिरामिड टेक्स्ट्स और कॉफ़िन टेक्स्ट्स भी मृतकों के लिए अनुष्ठानिक ग्रंथ थे।

7. वार्षिक धार्मिक उत्सव

ओपेट उत्सव: आमुन-रा के सम्मान में मनाया जाता था।

वफट उत्सव: मृतक राजा के सम्मान में आयोजित किया जाता था।

ब्यूटी ऑफ लूक्सर: देवी आइसिस को समर्पित था।

निष्कर्ष

प्राचीन मिस्र का धर्म जीवन और मृत्यु दोनों से जुड़ा था। उनके देवताओं, धार्मिक ग्रंथों, अनुष्ठानों और मंदिरों ने एक समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा बनाई, जिसने हजारों वर्षों तक मिस्र की सभ्यता को प्रभावित किया।